Newspaper : Denik Jagran
Edition: Delhi | Date: 3rd September, 2019 | Pg. : 08

स्कूल की बगिया, बच्चों को दे रही हरी सब्जियों की सौगात

शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में छात्रों ने बनाया वेजिटेबल पार्क ● नईदुनिया

धीरेंद्र सिन्हा ● बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के गांव चिस्दा में शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक बाबूलाल कर्ष ने गांव के बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए स्कूल में ही 'वेजिटेबल पार्क' बना दिया। तीन साल में इसका सुपरिणाम बच्चों की सेहत में झलक रहा है। बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकाखंड के चिल्हाटी संकुल में मौजूद ग्राम चिस्दा के इस विद्यालय में हर तरह की सब्जियां उगाई जा रही हैं। बच्चों के मध्याह्न भोजन में इनका नियमित इस्तेमाल होता है। स्कूल में शिक्षक बाबूलाल कर्ष, साकरावती पटेल और प्रधानाध्यापक छाया कर्ण्ण ने इस बगिया को करीने से सहेजा और संवारा है। बाबूलाल यहां 2011 से सेवाएं दे रहे हैं व स्कूल प्रांगण की खाली जगह पर 'वेजिटेबल पार्क' बनाने का विचार उन्होंने ही साकार किया। वे कहते हैं, बच्चों को पढ़ाने के साथ उन्हें स्वस्थ रखने का हर संभव प्रयास करता हूं। स्कूल कैंपस में बाउंड्री वॉल नहीं होने के बाद भी शिक्षक व बच्चे वेजिटेबल पार्क के रूप में किचन गार्डन बनाकर सब्जियां उगा रहे हैं। स्कूल के आसपास पर्याप्त खाली जगह है, जिसका इस काम में उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों को भी बीज देकर हरी सब्जियां उगाने व प्रतिदिन सेवन में उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बाबूलाल ने बताया कि बगिया में रासायनिक दवाओं का बिल्कुल प्रयोग नहीं करते। इससे जिन बच्चों को दो साल पहले शारीरिक कमजोरी थी, वे आज फिट हैं। जिला शिक्षा अधिकारी, बिलासपुर आरएन हीराधर कहते हैं, शिक्षक बाबूलाल का कार्य सराहनीय है। यह कुपोषण मुक्त भारत में यह एक कारगर कदम है। शिक्षक बाबूलाल को सत्र 2018-19 में उत्कृष्ट शिक्षक का अवार्ड भी मिल चुका है। उन्हें छत्तीसगढ़ गौरव रत्न पुरस्कार से भी नवाजे जाने की घोषणा हो चुकी है।